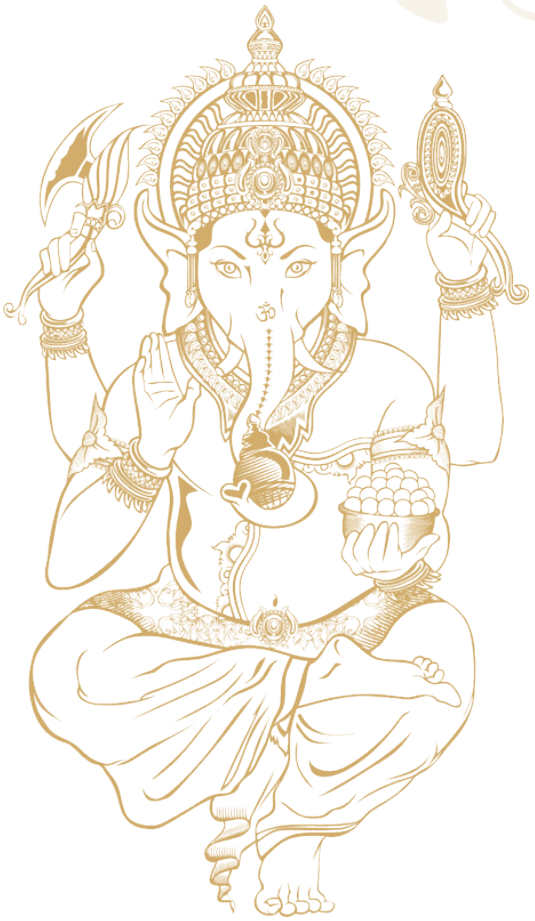

????? ???? ?????? ???? ???? ????

08 Sep 2025

11:07 PM

Jabalpur

Model: Baby-Horoscope **Order No: 119453501**

तिथि 08/09/2025 **समय** 23:07:00 **वार** सोमवार **स्थान** Jabalpur **चित्रपक्षीय अयनांश** : 24:13:01
अक्षांश 23:10:00 उत्तर **रेखांश** 79:57:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:10:12 घंटे

पंचांग

साम्पातिक काल	22:08:56 घं
वेलान्तर	00:02:19 घं
सूर्योदय	05:54:39 घं
सूर्यास्त	18:20:34 घं
चैत्रादि संवत	2082
शक संवत	1947
मास	आश्विन
पक्ष	कृष्ण
तिथि	2
नक्षत्र	उ०भाद्रपद
योग	शूल
करण	तैतिल

अवकहड़ा चक्र

गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दू-दूती
पाया(रा.-न.)	स्वर्ण-लौह
होरा	मंगल
चौघड़िया	लाभ

विंशोत्तरी
शनि 16वर्ष 4मा 11दि
शनि
08/09/2025
20/01/2042

शनि	23/01/2026
बुध	02/10/2028
केतु	11/11/2029
शुक्र	11/01/2033
सूर्य	24/12/2033
चन्द्र	25/07/2035
मंगल	02/09/2036
राहु	10/07/2039
गुरु	20/01/2042

योगिनी
भद्रिका 4वर्ष 3मा 20दि
भद्रिका
08/09/2025
29/12/2029

भद्रिका	09/09/2025
उल्का	10/07/2026
सिद्धा	30/06/2027
संकटा	09/08/2028
मंगला	29/09/2028
पिंगला	08/01/2029
धान्या	10/06/2029
भ्रामरी	29/12/2029

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			19:34:36	वृष	रोहिणी	3	चंद्र	बुध	---	0:00			
सूर्य			22:06:27	सिंह	पू०फाल्गुनी	3	शुक्र	शनि	स्वराशि	1.23	मातृ	पितृ	क्षेम
चंद्र			05:10:56	मीन	उ०भाद्रपद	1	शनि	शनि	सम राशि	1.37	कलत्र	मातृ	जन्म
मंगल			26:44:55	कन्या	चित्रा	2	मंगल	गुरु	शत्रु राशि	1.17	आत्मा	भ्रातृ	वध
बुध		अ	17:43:11	सिंह	पू०फाल्गुनी	2	शुक्र	मंगल	मित्र राशि	0.98	पुत्र	ज्ञाति	क्षेम
गुरु			24:59:50	मिथु	पुनर्वसु	2	गुरु	बुध	शत्रु राशि	1.30	अमात्य	धन	अतिमित्र
शुक्र			22:39:46	कर्क	आश्लेषा	2	बुध	चंद्र	शत्रु राशि	1.35	भ्रातृ	कलत्र	सम्पत
शनि	व		05:14:59	मीन	उ०भाद्रपद	1	शनि	शनि	सम राशि	0.96	ज्ञाति	आयु	जन्म
राहु			24:07:04	कुंभ	पू०भाद्रपद	2	गुरु	बुध	मित्र राशि		---	ज्ञान	अतिमित्र
केतु			24:07:04	सिंह	पू०फाल्गुनी	4	शुक्र	बुध	शत्रु राशि		---	मोक्ष	क्षेम

लग्न-चलित

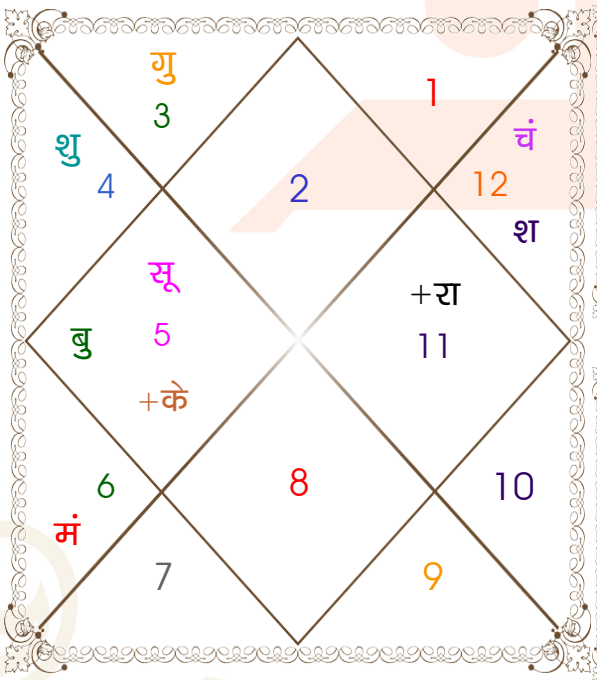

चन्द्र कुंडली

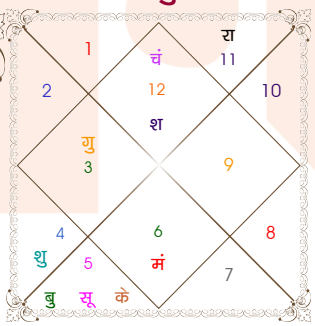

नवमांश कुंडली

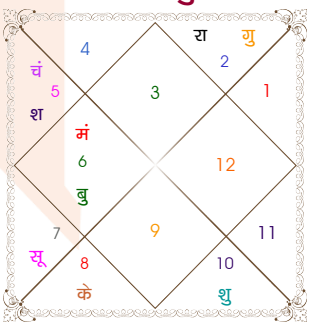

सर्वाष्टकवर्ग

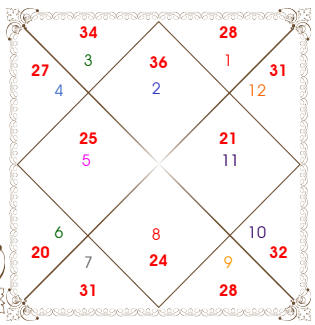

दशमांश कुंडली

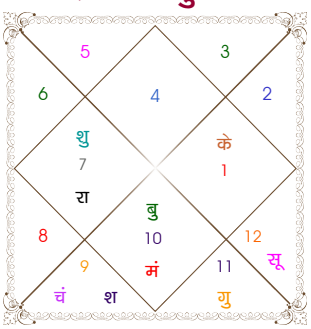

Shukh Shanti Astro
Prayagraj Uttar Pradesh
7007622426
astroshukhshanti@gmail.com

नक्षत्रफल

आप उत्तराभाद्रपद नक्षत्र के प्रथम चरण में पैदा हुई हैं। अतः आपकी जन्मराशि मीन तथा राशि स्वामी वृहस्पति होगा। नक्षत्र के अनुसार आपकी नाड़ी मध्य, गण मनुष्य, वर्ण विप्र, वर्ग सर्प तथा गौ योनि होगी। नक्षत्र के प्रथम चरणानुसार आपके जन्म नाम का प्रारम्भ "दु" या "दू" अक्षर से होगा।

आप अपने कुल में सर्वश्रेष्ठ मानी जाएंगी तथा परिवारिक जनों से यथोचित सम्मान तथा स्नेह प्राप्त करेंगी। आपके शरीर का कद भी मध्यम ही रहेगा। आप अच्छे कार्यों को करने के लिए सर्वदा रूचिशील रहेंगी तथा यत्नपूर्वक इनको करने में तत्पर रहेंगी। आपके अच्छे कार्यों से अन्य लोग भी लाभान्वित होंगे एवं आपको हार्दिक सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही धन सम्पत्ति से आप सुसम्पन्न रहेंगी एवं एक धनवान महिला के रूप में जानी जाएगी। यदा कदा आप अपनी अभिमानी प्रवृति का भी अन्य जनों के समक्ष प्रदर्शन करेंगी। इसके अतिरिक्त आप एक यशस्वी महिला होंगी तथा समाज में दूर दूर तक आपकी ख्याति रहेगी।

कुलस्य मध्येऽधिकभूषणं च नात्युच्चदेहः शुभकर्मकर्ता।
यस्तोत्तराभाद्रपदा च जन्यां धन्यो भवेन्मानधनो वदान्यः।।
जातकाभरणम्

अर्थात् उत्तराभाद्रपद में उत्पन्न जातक कुल में श्रेष्ठ, मध्यम देह वाला, शुभकर्मों को करने वाला, धनाढ्य, अभिमानी और कीर्तिशाली होता है।

आप सर्वप्रकार के सत्वगुणों से सम्पन्न रहेंगी तथा जीवन में यत्नपूर्वक इनका अनुपालन करने में तत्पर रहेंगी। आप में त्याग की भावना का भी समावेश रहेगा तथा समाज एवं परिवारिक जनों के मध्य आप अपनी इस प्रवृति का अवसरानुकूल प्रदर्शन एवं अनुपालन करती रहेंगी। आप एक धनाढ्य महिला होंगी तथा शास्त्रादि का ज्ञान प्राप्त करने में भी आप सफलता अर्जित कर सकेंगी। तथा एक उत्तम विदुषी के रूप में भी आप समाज में प्रतिष्ठित रहेंगी।

चाहिर्बुध्न्यजमानवो मृदुगुणस्त्यागी धनी पंडितः।
जातक परिजातः

अर्थात् उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र में उत्पन्न जातक मृदुगुणों से सम्पन्न अर्थात् सात्विक, धनी, त्यागी और पंडित होता है।

आप एक कुशल वक्ता होंगी तथा अपने ओजस्वी वक्तव्यों के द्वारा समाज के सभी वर्गों के लोगों को प्रभावित करने में सक्षम रहेंगी। साथ ही जीवन में अधिकांश सुखसंसाधनों से आप सुशोभित रहेंगी तथा जीवन में प्रसन्नतापूर्वक इनका उपभोग करेंगी आप विस्तृत परिवार की स्वामिनी रहेंगी तथा पुत्र पौत्रादि से युक्त रहकर सुखपूर्वक जीवन व्यतीत करेंगी। आप शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने में हमेशा सफल रहेंगी तथा आपके शत्रु हमेशा आपसे भय ग्रस्त

रहेंगे। इसके अतिरिक्त धार्मिकता की भावना भी आप में पूर्ण रूप से रहेगी एवं नियमपूर्वक धर्माचरण करने में आप अनुरत रहेंगी।

वक्ता सुखी प्रजावान जितशत्रुधार्मिको द्वितीयासु।
बृहज्जातकम्

अर्थात् उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र का जातक वक्ता, जीवन में सुखी, बहुत पुत्र एवं पौत्रों से युक्त, शत्रुओं को जीतने वाला तथा धार्मिक आचरण से सम्पन्न होता है।

आप एक गौरवशाली महिला होंगी तथा अपने सत्कार्यों तथा सद्गुणों से समाज में गौरव प्राप्त करती रहेंगी। धर्म के विषय में भी आपका ज्ञान विस्तृत रहेगा तथा समाज में पूर्ण रूप से श्रद्धेय तथा आदरणीय समझी जाएंगी। इसके अतिरिक्त आप एक साहसी महिला भी होंगी एवं शौर्योदि कार्यों को सम्पन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर एवं उद्यत रहेंगी।

गौरः ससत्वो धर्मज्ञः शत्रुघाती परामरः।
उत्तराभाद्रपदजो नरः साहिसको भवेत।।
मानसागरी

अर्थात् उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र में पैदा हुआ मनुष्य गौरवर्ण, धर्म का ज्ञाता, शत्रुओं का नाश करने वाला, देवताओं के तुल्य, सत्वगुण प्रधान एवं साहसी होता है।

आप स्वर्ण पाद में पैदा हुई हैं। स्वर्ण पाद में पैदा होने के कारण जातक कई प्रकार से जीवन में दुःख एवं कष्ट प्राप्त करता है तथा इसमें उसका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहता एवं धनाभाव से भी नित्य दुःखी रहता है। साथ ही जीवन में उसे सुखसंसाधनों की भी अल्पता रहती है। जिससे उसके मन में नित्य तनाव व्याप्त रहता है। साथ ही प्रत्येक क्षेत्र में उसे अत्याधिक परिश्रम के द्वारा ही सफलता अर्जित हो सकती है। परन्तु आपकी जन्म कुण्डली में चन्द्रमा शुभ वर्ग में स्थित है। अतः इससे आपको अशुभ फल अल्प तथा शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त होंगे।

अतः आप जीवन में सम्पूर्ण सुखसंसाधनों से युक्त रहेंगी तथा प्रसन्नतापूर्वक इनका उपभोग करेंगी। साथ ही धन ऐश्वर्य एवं नौकर चाकरों से भी आप सम्पन्न रहेंगी। आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी तथा एक धनवान महिला के रूप में समाज में ख्याति अर्जित करेंगी। सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान भी प्रदान करेंगे। आप विभिन्न प्रकार के वाहनादि से भी सुशोभित रहेंगी। आप हमेशा सद्गुणों से सुसम्पन्न रहेंगी। आपके पति तथा पुत्र भी सुन्दर गुणवान एवं सम्मानित रहोंगे। साथ ही सेवक गण भी गुणसम्पन्न होंगे। आपकी आयु दीर्घायु होगी तथा आपके लिए लाभमार्ग हमेशा प्रशस्त रहेंगे। आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा शारीरिक कान्ति भी दर्शनीय रहेगी। इसके अतिरिक्त पुत्रादि सुख को आप प्राप्त करने में भी सौभाग्यशाली रहेंगी।

मीन राशि में पैदा होने के कारण आपका सौन्दर्य सुन्दर एवं आकर्षक रहेगा।

आपका मस्तक विशाल एवं नासिका उन्नत रहेगी। आपकी आखों की सुन्दरता भी दर्शनीय होगी एवं उनमें पूर्ण आकर्षण विद्यमान रहेगा। साथ ही आपके समस्त शारीरिक अंग सुन्दर, सुडौल एवं पुष्टता को प्राप्त रहेंगे। आपका कटिभाग पतला होगा। चित्रकारी के प्रति आपकी विशेष रूचि रहेगी तथा इसमें योग्यता प्राप्त करके समाज में यश भी अर्जित कर सकेंगी। शत्रुओं को पराजित करने में आप हमेशा सफल रहेंगी तथा शत्रुवर्ग आपसे नित्य प्रभावित तथा भयभीत रहेगा। आप नाना प्रकार के शास्त्रों का यत्नपूर्वक ज्ञानार्जन करेंगी तथा समाज में एक विदुषी के रूप में सर्वजनों से आदर प्राप्त करेंगी। साथ ही संगीत के प्रति भी आपकी हार्दिक उत्सुकता रहेगी एवं इसका आपको अच्छा ज्ञान रहेगा। आप एक धर्मनिष्ठ महिला भी होंगी तथा जीवन में निष्ठापूर्वक धर्माचरण करने में सदैव तत्पर रहेंगी। आप की वाणी अत्यन्त ही मधुर तथा प्रिय होगी तथा अन्य लोग आपकी वाणी से प्रभावित रहेंगे। आप सर्वप्रकार के सुखसंसाधनों से परिपूर्ण रहेंगी एवं जीवन में प्रसन्नतापूर्वक इसका उपभोग करेंगी। क्रोध का भाव आपमें अल्प मात्रा में ही रहेगा। आप राजकीय सेवा में भी तत्पर रहेंगी एवं जमीन के अन्दर से या खान से उत्पन्न होने वाले द्रव्यों से जीविका तथा लाभार्जन करेंगी। पति को आप पूर्ण रूप से वश में रखेंगी तथा वे सभी कार्य आपके कथनानुसार ही सम्पन्न करेंगे। आप का स्वभाव अच्छा रहेगा तथा अन्य लोगों से आपके मधुर एवं मित्रतापूर्ण संबंध रहेंगे। साथ ही समुद्री जहाज या नाव आदि की सैर करने में भी आपकी तीव्र इच्छा रहेगी एवं इससे आपको अत्यन्त ही प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। इसके साथ ही आप दानी प्रवृति की महिला होंगी तथा नित्य यथाशक्ति अपनी इस प्रवृति का प्रदर्शन करती रहेंगी।

शिल्पोत्पन्नाधिकरोळहितजयनिपुणः शास्त्रविच्चारूदेहो।
गेयज्ञो धर्मनिष्ठो बहुयुवतिरतः सौख्यभाक् भूपसेवी।।
ईष्टत्कोपो महत्कः सुखनिधिधनभाक् स्त्रीजितः सत्स्वभावो।
यानासक्तः समुद्रे तिमियुगलगते शीतगौ दानशीलः।।
सारावली

आप जल या समुद्र से उत्पन्न पदार्थो तथा रत्नों से आजीविका प्राप्त करेंगी एवं इनसे आपको पूर्ण लाभ होता रहेगा। साथ ही जीवन में आप किसी अन्य व्यक्ति, मित्र या संबंधी की धन सम्पत्ति को भी प्राप्त करेंगी तथा जीवन में सुखपूर्वक इसका उपभोग करके प्रसन्नानुभूति प्राप्त करेंगी। आप सुन्दर वस्त्रों को पहनने तथा खरीदने के लिए हमेशा लालयित रहेंगी एवं प्रयत्नपूर्वक अपने इस शौक को पूर्ण करने में भी सफलता प्राप्त करेंगी। इसके साथ ही आपका शारीरिक कद मध्यम रहेगा।

जलपरधनभोक्ता दारवासोळनुरक्तः।
समरूचिरशरीरस्तुङ्गनासो बृहत्कः।।
अभिभवति सपत्नान् स्त्रीजितश्चारूदृष्टिः।
द्युतिनिधि धनभोगी पंडितश्चान्त्यराशौ।।
बृहज्जातकम्

आप को बार बार पानी पीने की इच्छा होती रहेगी। आपका अपने पति पर पूर्ण

विश्वास रहेगा तथा उनसे आप हमेशा सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेगी। अतः आपका गृहस्थ जीवन सुखमय रहेगा। आप उच्च श्रेणी की विदुषी होंगी तथा कृतज्ञता के भाव से हमेशा युक्त रहेंगी एवं अन्य जनों के द्वारा उपकृत होने पर उनका उपकार स्वीकार करेंगी एवं हार्दिक आभार भी प्रकट करेंगी। आपके सद्गुणों से सभी लोग प्रभावित रहेंगे एवं आपका यथोचित सम्मान करते रहेंगे। इसके साथ ही आप एक भाग्यशाली महिला होंगी तथा अपने अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को भाग्यबल से ही सम्पन्न करेंगी।

अत्यम्बुपानः समचारुदेहः स्वदारगस्तोयजवित्तभोक्ता।
विद्धान्कृतज्ञो ळमिभवत्यळमित्रान् शुभेक्षणो भाग्ययुतोळन्त्यराशौ।।
फलदीपिका

आप एक संयमी महिला होंगी तथा इन्द्रियों को हमेशा वश में रखकर अपना जीवन व्यतीत करेंगी। साथ ही सत्वगुणों से भी आप सुशोभित रहेंगी। आप एक चतुर तथा बुद्धिमती महिला होंगी एवं अपने समस्त सांसारिक कार्यों को चतुराई तथा बुद्धिमता से सम्पन्न करने में सफलता प्राप्त करेंगी। आपको जलक्रीड़ा करने में अत्यन्त ही आनन्द की अनुभूति होगी। आप सरल एवं निर्मल बुद्धि की स्वामिनी होंगी एवं छल प्रपंच का इसमें सर्वथा अभाव रहेगा।

शशिनि मीनगते विजितेन्द्रियो बहुगुणः कुशलो जललालसः।
विमलधीः किल शस्त्रकलादरस्त्व बलताबलताकलितो नरः।।
जातकाभरणम्

आप उदरपोषण के कार्यों में अपना अधिकांश समय व्यतीत करेंगी। साथ ही यदा कदा आपके लाभ स्रोतों में भी व्यवधान आएंगे जिससे आपको आर्थिक कठिनाई का भी सामना करना पड़ेगा। आपकी शारीरिक कान्ति अत्यन्त ही दर्शनीय होगी एवं इससे आपके शारीरिक आकर्षण एवं व्यक्तित्व के निखार में निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। आप पिता से प्राप्त धन से युक्त रहेंगी एव उसका जीवन में उपभोग करती रहेंगी। आप एक विदुषी महिला होंगी तथा साहसिक कार्यों को करने के लिए नित्य तत्पर रहेंगी। इसके अतिरिक्त आप सन्तोषी स्वभाव की महिला होंगी एवं जो उपलब्ध हो उसी पर सन्तुष्ट करके प्रसन्नता प्राप्त करेंगी।

जलचरधनभोक्ता मोहयुक्तोळप्रशस्तः।
उदरभरणदेहस्तुङ्गमांसो डध्यः।।
अभिलषति सपत्नी स्त्रीजितश्च चारुकान्तिः।
पितृधनजनभोगी पीडितो मीनराशिः।
तुष्टः साहसी कोधयुक्तः मीनराशिर्मनुष्यः।।
जातकदीपिका

आप स्वभाव से ही गम्भीर होंगी एवं शौर्योदि गुणों से सर्वदा सुशोभित रहेंगी । साथ ही समाज के सभी वर्गो में आपका पूर्ण प्रभुत्व रहेगा एवं वे सभी आपको एक गणमान्य तथा श्रद्धेय समझकर आपको हार्दिक मान सम्मान प्रदान करेंगे। आप में कंजूसी का भाव भी रहेगा।

लेकिन अपने कुल या परिवार में आप सर्वप्रिय तथा श्रेष्ठ समझी जाएंगी तथा सभी आपको यथायोग्य स्नेह तथा सम्मान प्रदान करेंगे। आप सेवाकार्यों में भी रूचिशील रहेंगी तथा यत्नपूर्वक इनको करने में सर्वदा उद्यत रहेंगी। आप तेज गति से चलना पसन्द करेंगी। साथ ही आपका चालचलन उत्तम रहेगा तथा अन्य जनों के लिए अनुकरणीय रहेगा। इसके साथ ही बन्धुवर्ग की आप हमेशा प्रिय रहेंगी तथा उनसे आपको पूर्ण मान सम्मान तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा।

गम्भीरचेष्टितः शूरः पटुवाक्यो नरोत्तमः।
कोपनः कृपणो ज्ञानी गुणश्रेष्ठः कुल प्रियः।।
नित्यसेवी शीघ्रगामी गाधंर्वकुशलः शुभः।।
मीन राशौ समुत्पन्नौ जायते बन्धुवत्सलः।।
मानसागरी

इस प्रकार आप अत्यन्त ही आकर्षक सौन्दर्य तथा व्यक्तित्व की महिला होंगी एवं विभिन्न प्रकार के शास्त्रों को ज्ञानार्जन करने में भी सफल रहेंगी। इसके साथ ही अन्य सामाजिक जनों से भी आपके परस्पर मधुर संबंध भी स्थापित रहेंगे।

मीनस्थे मृगलाञ्छने वरतनुर्विद्वान बहुस्त्रीपतिः।।
जातक परिजातः

मनुष्य गण में उत्पन्न होने के कारण आप धार्मिक महिला होंगी एवं देवता तथा ब्राहमणों के आपके मन में विशेष श्रद्धा एवं सेवा का भाव रहेगा। साथ ही कभी कभी आप अभिमान का भी प्रदर्शन करेंगी जिससे अन्य लोग आपसे असन्तुष्ट रहेंगे। आपका हृदय दया एवं करूणा के भाव से युक्त रहेगा तथा समय समय पर इस भावना का आप अन्य जनों के समक्ष प्रदर्शन करती रहेंगी। साथ ही आप शारीरिक बल से भी बलवती होंगी एवं कई कार्यों को अपने बल से ही सम्पन्न करने में सफलता अर्जित करेंगी। आप कई प्रकार के कार्यों तथा कलाओं के सम्पन्न करने में भी निपुण रहेंगी तथा इससे समाज में सम्मान तथा ख्याति भी अर्जित करेंगी। आप शारीरिक कान्ति से सुशोभित रहेंगी तथा अन्य कई जनों का पोषण करके उन्हे सुख प्रदान भी करेंगी।

समाज में आपको पूर्ण सम्मान तथा आदर निरन्तर प्राप्त होता रहेगा तथा धन सम्पत्ति से हमेशा सुसम्पन्न रहकर जीवन में सुखपूर्वक उसका उपयोग करने में रत रहेंगी। आपके नेत्र विशाल होंगे तथा निशाने बाजी की कला में आप विशेष योग्यता तथा ख्याति भी अर्जित कर सकेंगी। इसके अतिरिक्त नगर की आप प्रतिष्ठित महिला होंगी एवं सभी लोग आपकी आज्ञा पालन के लिए हमेशा उद्यत रहेंगे।

देवद्विजार्चाभिरतोभिमानी दयालुर्बलवान कलाज्ञः।
प्राज्ञः सुकान्ति सुखदो बहूनां मर्त्याभवे मर्त्यगणे प्रसूतः।।
जातकाभरणम्

अर्थात् मनुष्य गण में उत्पन्न जातक ब्राह्मण तथा देवताओं का भक्त, अभिमानी, दयालु, बलवान, कला का ज्ञाता, विद्वान, कान्तियुक्त तथा बहुत से मनुष्यों को सुख तथा आश्रय प्रदान करने वाला होता है।

गो योनि में उत्पन्न होने के कारण आप पुरूष वर्ग में हमेशा प्रिय रहेंगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर सत्कार प्रदान करेंगे। साथ ही आप उत्साही प्रवृति की भी महिला रहेंगी एवं अपने अति उत्साह से युक्त रहकर कठिन से कठिन कार्यों में भी सफलता अर्जित करेंगी। इसके साथ ही बोलने में आप अत्यन्त ही दक्ष रहेंगी तथा अपनी चतुराई पूर्ण वाणी से सबको प्रभावित करेंगी तथा अपने अधिकांश कार्यों को भी सम्पन्न करेंगी।

स्त्रीणां प्रियः सदोत्साही बहुवाक्य विशारदः।
स्वल्पायुश्चनरो जातः गो योनौ न सशंयः।।
मानसागरी

अर्थात गोयोनि में उत्पन्न जातक स्त्रियों का प्रिय, सदा उत्साह में रहनेवाला, वादविवाद में चतुर एवं अल्पायु होता है।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा एकादश भाव में स्थित है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा एवं आयु भी लम्बी होगी। आपके प्रति उनके मन में विशेष वात्सल्य का भाव भी विद्यमान रहेगा। जीवन में वे प्रत्येक क्षेत्र में आपका यत्नपूर्वक पूर्ण सहयोग करती रहेंगी। आपके आर्थिक साधनों की अभिवृद्धि में उनका पूर्ण सहयोग रहेगा। साथ ही मातृपक्ष से भी आप पूर्ण आर्थिक लाभ एवं अन्य प्रकार से सुखार्जन करेंगी।

आप की भी माता के प्रति हार्दिक श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेंगी एवं उनकी आज्ञा पालन के लिए भी आप प्रायः तत्पर रहेंगी। जीवन में आप हर प्रकार से उनकी सहायता एवं सहयोग भी करेंगी तथा अवसरानुकूल उनको आर्थिक सहयोग भी प्रदान करेंगी। आपके परस्पर संबंध मधुर रहेंगे तथा आपसी मतभेद अत्यन्त ही अल्प मात्रा में रहेंगे।

आपके जन्मकाल में सूर्य की स्थिति चतुर्थ भाव में है अतः आपके पिता का स्वास्थ्य सामान्य रहेगा एवं समय समय पर वे शारीरिक व्याकुलता की अनुभूति करेंगे। आपके प्रति उनके मन में स्नेह का भाव विद्यमान रहेगा। धन वैभव से वे प्रायः युक्त रहेंगे एवं जीवन में सर्वप्रकार से आपको सहयोग प्रदान करने के लिए यत्नशील रहेंगे। आप उनसे समान्यतया धन सम्मान एवं वाहनादि भी प्राप्त करेंगी। इसके साथ ही वे व्यापार तथा अजीविका सम्बन्धी कार्यों में भी आपकी सहायता करेंगे।

आपके मन में उनके प्रति सामान्य श्रद्धा का भाव विद्यमान रहेगा एवं इच्छानुसार यदाकदा उनकी आज्ञा का अनुपालन भी करती रहेंगी। परन्तु आपके आपसी सम्बन्ध मधुर नहीं रहेंगे एवं परस्पर कई प्रकार के मतभेद विद्यमान रहेंगे फिर भी आप अपनी ओर से उन्हें कम से कम कष्टानुभूति के लिये सतत् प्रयत्नशील रहेंगी एवं अवसरानुकूल उनकी सहायता करने के लिए भी तत्पर रहेंगी।

आपके जन्म समय में मंगल पंचम भाव में स्थित है अतः भाई बहिनों का आप मध्यम रूप से सुख प्राप्त करेंगी। उनका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा परन्तु कभी कभी शारीरिक अस्वस्थता भी रहेगी। धन सम्पत्ति से वे युक्त रहेंगे। जीवन में वे आपको सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपना योगदान प्रदान करेंगे तथा सुख दुःख में आर्थिक तथा अन्य प्रकार की सहायता देंगे। इसके साथ ही शिक्षा संबंधी कार्यों में भी आप उनका वांछित सहयोग प्राप्त करेंगी।

आपके हृदय में भी उनके प्रति पूर्ण स्नेह का भाव रहेगा तथा आपसी संबंध भी प्रायः मधुर ही रहेंगे परन्तु यदा कदा आपसी सैद्धान्तिक मतभेदों से संबंधों में कटुता या तनाव भी उत्पन्न होंगे परन्तु कुछ समय बाद सब कुछ स्वतः ही सामान्य हो जाएगा। आप सुख दुःख में हमेशा उनका सहयोग करेंगी एवं अपनी ओर से कभी भी उन्हें किसी भी प्रकार की कष्टानुभूति नहीं होने देंगी। इसके अतिरिक्त अवसरानुकूल आप उन्हें आर्थिक सहायता भी प्रदान करेंगी। इस प्रकार आप मध्यम रूप से एक दूसरे का सुख प्राप्त करेंगे।

आपके लिए फाल्गुन मास, पंचमी, दशमी तथा पौर्णमासी तिथियां, आश्लेषा नक्षत्र, वज्रयोग, विष्टिकरण, शुक्रवार, चतुर्थ प्रहर तथा कुम्भ राशि का चन्द्रमा सदैव अनिष्टकर रहेंगे। अतः आप 15 फरवरी से 14 मार्च के मध्य 5,10,15 तिथियों, आश्लेषा नक्षत्र, वज्रयोग तथा विष्टिकरण में कोई भी शुभ कार्य व्यापार प्रारम्भ, नवगृहनिर्माण, क्रय विक्रयादि अन्य महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न न करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही होगी। साथ ही शुक्रवार, चतुर्थ प्रहर तथा कुम्भ राशि के चन्द्रमा को भी शुभ कार्यों में त्याज्य रखें। इसके साथ ही इन दिनों तथा समय में शारीरिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य के प्रति भी विशेष सावधानी रखनी चाहिए।

यदि आपके लिए समय अशुभ चल रहा हो मानसिक तथा शारीरिक व्याकुलता, व्यापार में हानि, नौकरी या पदोन्नति में बाधाएं उत्पन्न हो रही हो तो ऐसे समय में आपको अपनी इष्ट देवी जगदम्बा माता की आराधना करनी चाहिए तथा नियमित रूप से वृहस्पतिवार के उपवास रखने चाहिए। साथ ही सोना, पीत पुखराज, पीत चन्दन, पीत वस्त्र, चने की दाल, हल्दी आदि पदार्थो का किसी सुपात्र को दान देना चाहिए। इसके अतिरिक्त वृहस्पति के तांत्रीय मंत्र के कम से कम 16000 जप किसी योग्य विद्वान द्वारा सम्पन्न करवाने चाहिए। इससे आपको मानसिक शान्ति मिलेगी तथा अशुभ प्रभावों में कमी होकर शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

ऊँ ग्रां ग्रीं ग्रों सः वृस्पतये नमः।
मंत्र- ऊँ ऐं क्लीं वृहस्पतये नमः।